कम कंक्रीट के इस्तेमाल से मजबूत और टिकाऊ बांध

कानपुर, 5 मार्च। बांध निर्माण की समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए चोपड़ा तकनीकि महत्वपूर्ण साबित हो रही है। इस तकनीकि में बांध की ऊंचाई, कंक्रीट का स्तर और भूकंप के पैमाने के संदर्भ में विश्लेषण करके पूरी जानकारी जुटायी जा सकती है। चीन और जापान इस तकनीकि का बेहतर प्रयोग कर रहे हैं। शीघ्र ही देश में भी इस तकनीकि का इस्तेमाल होने लगेगा। यह विचार आईआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में आयोजित संक्षिप्त शिक्षा पाठ्यक्रम में विशेषज्ञों ने व्यक्त किये। कम कंक्रीट का इस्तेमाल करके मजबूत और टिकाऊ बांधों का निर्माण करने में चोपड़ा तकनीकि अच्छी साबित हो रही है। डिजाइन बदल कर बांध के निर्माण की लागत कम की जा सकती है। कार्यक्रम में केलीफोर्निया बरकले विश्व विद्यालय के प्रोफेसर अनिल कुमार चोपड़ा, लैरी केनस, सिविल इंजीनियरिंग विभाग के मुखिया प्रो. ओंकार दीक्षित, प्रो. सुधीर कुमार जैन, प्रो. सुरेश अहलावादी आदि शामिल थे।